भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4285
19 अगस्त, 2025 को उत्तर के लिए

उत्तर प्रदेश के मोहनलालगंज क्षेत्र में इस्पात परियोजनाएं

4285. श्री आर. के. चौधरीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश के मोहनलालगंज क्षेत्र में इस्पात परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस्पात मंत्रालय के अधीन ऐसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का ब्यौरा और उनकी संख्या कितनी है जो मोहनलालगंज निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं;

(ग) स्थानीय आबादी के रोजगार के लिए विभिन्न योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार की उक्त क्षेत्र में भविष्य में इस्पात संयंत्र स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) से (घ): इस्पात एक नियंत्रण-मुक्त क्षेत्र है और सरकार देश के सभी राज्यों में इस्पात क्षेत्र के विकास हेतु अनुकूल नीतिगत वातावरण सृजित कर एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है। इस्पात संयंत्र स्थापित करने के संबंध में निर्णय उद्योग द्वारा प्रौद्यो-वाणिज्यिक पहलुओं, जैसे बाजार की मांग, कच्चे माल की उपलब्धता,पत्तन से दूरी, लॉजिस्टिक संबंधी आवश्यकता आदि के आधार पर लिए जाते हैं। उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के मोहनलालगंज क्षेत्र में निजी क्षेत्र के उद्यमों की पाँच इकाइयाँ हैं :-

लखनऊ जिले में इस्पात उद्योग -वित्त वर्ष 2024-2025		
सेगमेंट	**इकाईयां**	**क्षमता ('000टन में)**
इंडक्शन फर्नेस	1	6
री-रोलिंग	4	13.7
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति(जेपीसी)		

इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए, सरकार द्वारा किए गए उपाय जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

i. सरकारी अधिप्राप्ति हेतु 'मेड इन इंडिया' इस्पात को बढ़ावा देने के लिए घरेलू स्तर पर विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पाद (डीएमआईएंडएसपी) नीति का कार्यान्वयन।
ii. देश में 'विशेष इस्पात' के विनिर्माण को बढ़ावा देने और पूंजीगत निवेश को आकर्षित कर आयात को कम करने के लिए 'विशेष इस्पात' हेतु उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की शुरुआत करना।
iii. इस्पात खपत में वृद्धि के लिए केन्द्रीय बजट में अवसंरचना संबंधी विस्तार पर जोर दिया जाना।

*****